(vii)	Bangalore-Mysore-Nanjangud-Gundlupet-Ooty-Coimbatore (to join NH-47 in Tamil Nadu)	220
(viii)	Chitradurga-Holalkere-Hosadurga-Chikmagalur-Mudigere-Belthangadi-Mangalore (to join NH-17)	283
(ix)	Dharwar-Londa-Anmod-Panaji (to join NH-17)	95
(x)	Padubidri-Karkala-Sringeri-Trirthahalli-Shikaripur-Shiralkoppa-Hubli-Bagalkot-Hungud	550
(xi)	Sirsi (on NH-4 Bangalore-Pune Road) Madhurigi-Gouribidnur-Chikballapur-Chintamani-Srinivasapur-Mulbagal (NH-4 Bangalore-Madras road)	160
(xii)	Bangalore-Kankanhalli-Malavalli-Mysore-Nanjangud-Sultanbatery-Calicut	240
(xiii)	Chitradurga-Arasikere-Holenarasipur-Madikeri-Tellicherry	360
	TOTAL:	4425

Grant-in-Aid for the Indian Council of World Affairs

*250. SHRIMATI VEENA VERMA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Council of World Affairs has been declared as an institution of national importance;

(b) if so, whether any grant-in-aid has been given to it to enable it to maintain its national character; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAVSINH SOLANKI): (a) to (c) The present position is that the Indian Council of World Affairs does not stand declared as an institution of national importance; however proposals to re-introduce legislation in this regard have been received and are under consideration.

सूती धागे और कपड़ा उत्पादन की क्षमता का बेहतर उपयोग किए जाने की आवश्यकता

*251. डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

श्री राम जेठमलानी :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश से प्रति वर्ष कपास, सूती-धागे और सिले-सिलाये वस्त्रों का निर्यात किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990-91 के दौरान अगस्त-सितम्बर, 1991 तक कुल कितने मूल्य के कपास, सूती धागे और सिले-सिलाये वस्त्रों का निर्यात किया गया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि कपास के निर्यात की तुलना में सूती धागे और सिले-सिलाये वस्त्रों के निर्यात से अधिक विदेशी-मुद्रा प्राप्त होती है ;

(घ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि देश में सूती धागे और कपड़े के उत्पादन की पर्याप्त स्थापित क्षमता है ; और

(ङ) यदि हां, तो मार्च, 1990 के अंत में देश में सूती-धागे और कपड़े के उत्पादन की स्थापित क्षमता कितनी थी, वर्ष 1989–90 के दौरान सूती धागे और कपड़े के उत्पादन के लिए इस क्षमता का कितना प्रतिशत उपयोग किया गया और सरकार द्वारा सूती धागे और कपड़े के उत्पादन के लिए इस क्षमता के पूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करने के स्थान पर कपास के निर्यात पर अधिक बल देने के क्या कारण हैं?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां ।

(ख) वर्ष 1990–91 के कपास मौसम (सितम्बर, 1990 अगस्त, 1991 के दौरान कपास के निर्यात 561.05 करोड़ रु० मूल्य के हुए थे । वर्ष 1990–91 के दौरान सूती यार्न और सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात क्रमश: 511.40 करोड़ रु० तथा 4640.60 करोड़ रुपये मूल्य के हुए हैं । अप्रैल-सितम्बर, 1991 की अवधि के दौरान सूती यार्न और सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात क्रमश: 466.40 करोड़ रु० और 2479.90 करोड़ रु० मूल्य के हुए हैं ।

(ग) जी हां ।

(घ) जी हां ।

(ङ) 31 मार्च, 1990 की स्थिति के अनुसार संगठित मिल क्षेत्र में तकुओं और करघों की स्थापित क्षमता क्रमश : 26.59 मिलियन तथा 181,000 थी । वर्ष 1989–90 के दौरान तकुओं का अनुमानित क्षमता उपयोग क्रमश: 73 प्रतिशत और 63 प्रतिशत था । यह कहना सही नहीं है कि सरकार कपास के निर्यात को महत्व दे रही है । सरकार का प्रयास है कि मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाए । कपास के निर्यात के लिए कोटों को रिलीज़ करने के उद्देश्य घरेलू बाज़ार में कीमतों का स्थिरीकरण, कपास उपजकर्त्ताओं को लाभप्रद कीमतें प्रदान करना तथा अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में एक स्थाई सप्लाई-कर्त्ता के रूप में भारत की उपस्थित को बनाए रखना है

Resurfacing of National Highway No. 17 between Goa and Bombay

*252. SHRI JOHN F. FERNANDES: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that national highway No. 17 between Goa and Bombay is in a poor state of repair; and

(b) if so, whether Government would consider resurfacing it; if so, by when the work will start and by when it would be completed?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) The section of National Highway No. 17 starting from near about Bombay upto Goa is being kept generally in traffic worthy condition, athough damages do occur sporadicaly at places during the monsoon.

(b) Development and maintenance of National Highways is continuous activity and works of improvement including resurfacing are being taken up every year, depending upon the availability of funds and over-all priorities.

Potential of sericulture in Madhya Pradesh

*253. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Madhya Pradesh has all the requisite optential of sericulture growth in the State which can augment the silk production in a big way;

(b) if so, whether Government has conducted any survey in the State for the purpose;

(c) if so, what are the details and results thereof; and